एम.एच.डी.-4

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) इस गतिशील जगत में परिवर्तन पर आश्चर्य ! परिवर्तन रुका कि महापरिवर्तन – प्रलय – हुआ ! परिवर्तन ही सृष्टि है, जीवन है । स्थिर होना मृत्यु है, निश्चेष्ट शांति मरण है । प्रकृति क्रियाशील है । समय पुरुष और स्त्री की गेंद लेकर दोनों हाथ से खेलता है । पुल्लिंग और स्त्रीलिंग की समष्टि अभिव्यक्ति की कुंजी है ।

(ख) वह भी देखा है । देखा है कि जिस मुट्ठी में तुम कितना — कुछ एक साथ भर लेना चाहती थीं, उसमें जो था वह भी धीरे-धीरे बाहर फिसलता गया है कि तुम्हारे मन में लगातार एक डर समाता गया है जिसके मारे कभी तुम घर का दामन थामती रही हो, कभी बाहर का और कि वह डर एक दहशत में बदल गया । जिस दिन तुम्हें एक बहुत बड़ा झटका खाना पड़ा.... अपनी आख़िरी कोशिश में ।

(ग) परोपकार को कोई बुरा नहीं कह सकता, पर किसी को सब कुछ उठा दीजिए तो क्या माँग के प्रतिष्ठा, अथवा चोरी करके धर्म खोइएगा वा भूखों मर के आत्महत्या के पाप भागी होइएगा । यों ही किसी को सताना अच्छा नहीं कहा जाता है, पर यदि कोई संसार का अनिष्ट करता हो, उसे राजा से दंड दिलवाइए वा आप ही उसका दमन कर दीजिए तो अनेक लोगों के हित का पुण्यलाभ होगा ।

(घ) इस देश में अनेक भाषाएँ हैं, अनेक जातियाँ हैं, इन जातियों की अपनी-अपनी संस्कृति है । इन सभी जातियों की संस्कृतियों के सामान्य तत्त्वों का, उनके समुच्चय का नाम भारतीय संस्कृति है । भारत की जातियों से भिन्न भारतीय संस्कृति की सत्ता कहीं नहीं है ।

(ङ) उसका यह प्रश्न उसका अपना नहीं था । उसने अनजाने नहीं, जानबूझकर ही उँगली उठाई थी उधर, जिधर मनुष्य को नंगा रखकर मनुष्य ने अपने मुनाफ़ों के लिए बेशुमार कपड़ा तालों में बंद कर रखा था, जहाँ वस्तु मनुष्य के लिए न होकर पैसे के लिए थी । कितना बड़ा व्यंग्य और विद्रूप था यह कि आज कपड़ा बनाने वाले स्वयं नंगे थे ।

2. सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी' का मूल्यांकन कीजिए । *16*

3. जयशंकर प्रसाद के नाट्य संबंधी विचारों का विवेचन कीजिए । *16*

4. 'अंधायुग' के प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशिष्टताओं का उद्‌घाटन कीजिए । *16*

5. 'आधे-अधूरे' की नाट्य संरचना की विशेषताएँ बताइए । *16*

6. 'धोखा' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए उसके भाषिक सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । *16*

7. व्यंग्य निबंध की विशेषताओं की दृष्टि से 'तीसरे दर्जे के श्रद्धेय' का मूल्यांकन कीजिए । *16*

8. 'अदम्य जीवन' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए । *16*

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

(क) 'अंधेर नगरी' का रूप-विधान

(ख) 'संस्कृति और जातीयता' निबंध की भाषा

(ग) 'ठकुरी बाबा' में सामाजिक चेतना

(घ) 'ताँबे के कीड़े' का प्रतिपाद्य